2022 pattern

Anekant Education Society's

Tuljaram Chaturchand College of Arts, Science & Commerce, Baramati.

(Autonomous College)

Revised Syllabus for the S.Y.B.A.

(Semester- IV)

Year : 2023 – 24

Programme:- S.Y.B.A.

Hindi

CBCS Pattern

Credit Based Semester System

(Revised Syllabus with effect from 2023)

Anekant Education Society's

Tuljaram Chaturchand College of Arts, Science & Commerce, Baramati.

(Autonomous College)

Department of Hindi

Syllabus

Course Structure for S.Y.B.A

Semester-IV

CBCS Pattern

Semester- IV

Course Code	Course Name	Maximum Marks		Total	
		External	Internal	Marks	Credits
UAHN 241	सामान्य हिंदी (G-2)	60	40	100	03
UAHN 242	काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष -1)	60	40	100	03
UAHN 243	मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक (हिंदी विशेष -2)	60	40	100	03

(40 - 60 pattern to be Implemented from 2023-2024)

Anekant Education Society's

Tuljaram Chaturchand College of Arts, Science & Commerce, Baramati.

(Autonomous College)

Department of Hindi

Syllabus

Course Structure for S.Y.B.A.

Semester-IV

CBCS Pattern

Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)
Skill Enhancement Course
Semester- IV

Course Code	Course Name	Maximum Marks		Total	
		External	Internal	Marks	Credits
UAHN SEC-2	रचनात्मक हिंदी लेखन	50	-	50	02

(50 pattern to be Implemented from 2023-2024)

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

हिंदी सामान्य [HINDI GENRAL]

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
III	**UAHN 231**	हिंदी सामान्य	**03**
IV	**UAHN 241**	हिंदी सामान्य	**03**

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

SEMISTER – IV

हिंदी सामान्य

HINDI GENERAL [PAPER CODE : UAHN 241]

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1) हिंदी साहित्य के प्रति छात्रों की रूचि बढाना ।

2) छात्रों को कहानी विधा एवं हिंदी के कहानीकारों से परिचित कराना ।

3) छात्रों को हिंदी काव्य तथा हिंदी कवियों का परिचय देना ।

4) छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित करना।

5) कहानी विधा तथा काव्य के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास कराना ।

6) छात्रों को लेखन कौशल से परिचित करना।

7) छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य, सामाजिक मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण कराना ।

8) छात्रों में साहित्य का रसास्वादन करने की क्षमता विकसित करना

B) अपेक्षित परिणाम Course Outcomes :

1) छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति रूचि बढ़ेगी ।

2) छात्र कहानी विधा तथा काव्य से परिचित होंगे ।

3) छात्र हिंदी कहानीकारों तथा हिंदी कवियों का परिचय दे पाएंगे ।

4) छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित होगी ।

5) कहानी विधा तथा काव्य के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास होगा ।

6) छात्रों को लेखन कौशल से परिचित होंगे ।

7) छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य, सामाजिक मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण होगी ।

8) छात्रों में साहित्य का रसास्वादन करने की क्षमता विकसित होगी ।

पाठ्य पुस्तकें :

1) कथा धारा– संपादक : डॉ. अनिता नेरे, डॉ. अशोक धुलधुले
प्रकाशक : जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

2) काव्यायन – संपादक : डॉ. सुरेश साळुंके, डॉ. सुभाष तळेकर
प्रकाशक : जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

क. पारिभाषिक शब्दावली

1. बैंक से संबंधित शब्दावली –

1 **Advance**	अग्रिम, पेशगी
2 **Agreement**	करार, अनुबंध
3 **Audit**	लेखा परीक्षा
4 **Budget**	आय–व्ययक, बजट
5 **Currency**	मुद्रा
6 **Deduction**	कटौती, घटाना
7 **Deposit**	जमाराशि, जमा
8 **Expenditure**	व्यय, खर्च
9 **Finance**	वित्त
10 **Increment**	वेतनवृद्धि

2. डाक–तार से संबंधित

1 **Acknowledgement (A.D.)**	प्राप्ति, पावती स्वीकृति
2 **Addressee**	पानेवाला, प्रेषिती
3 **Communication**	संचार, संदेश
4 **Director (Post Offices)**	निदेशक (डाक)
5 **Inspector**	निरीक्षक
6 **Post office**	डाकघर
7 **Postage Stamp**	डाक टिकट
8 **Postal Address**	डाक पता
9 **Recurring Deposit**	आवर्ती जमा
10 **Registered Letter**	पंजीकृत पत्र

3. प्रशासनिक शब्दावली

1 **Ability**	योग्यता
2 **Bonafide**	वास्तविक
3 **Charge**	प्रभार
4 **Demotion**	पदावनति
5 **File**	फाइल, मिसिल
6 **Gradation**	पदक्रम
7 **Implementation**	कार्यान्वयन
8 **Manuscript**	पांडुलिपि
9 **Minutes**	कार्यवृत्त
10 **Vacancy**	रिक्तस्थान

4. भारतीय संविधान से संबंधीत

1 **Ambassador**	राजदूत
2 **Bureau**	ब्यूरो, कार्यालय, केंद्र

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष – 1) [HINDI SPECIAL - 1]

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	**UAHN 232**	काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष – 1)	**03**
II	**UAHN 242**	काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष – 1)	**03**

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

SEMISTER – IV

हिंदी विशेष – 1

HINDI SPECIAL - 1

PAPER CODE : UAHN 242

काव्यशास्त्र

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

उद्देश्य (Objectives) :

1. छात्रों को काव्यशास्त्र का ज्ञान कराना।
2. छात्रों को पद्य के भेदों के साथ प्रबंध तथा मुक्तक काव्य से परिचित कराना।
3. छात्रों को गद्य विधाओं से परिचय कराना।
4. छात्रों को उपन्यास, कहानी, नाटक और एकांकी के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी देना।
5. छात्रों को उपन्यास और कहानी के अंतर से परिचित कराना।
6. छात्रों को नाटक और एकांकी के अंतर से परिचित कराना।
7. छात्रों को नाटक के भेदों से परिचित कराना।

अपेक्षित परिणाम (Outcomes) :

1. छात्र काव्यशास्त्र का महत्व समझेंगे।
2. छात्र पद्य के भेदों के साथ प्रबंध तथा मुक्तक काव्य से परिचित होंगे।
3. छात्र गद्य विधाओं से परिचित होंगे।
4. छात्र उपन्यास, कहानी, नाटक और एकांकी के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी देंगे।
5. छात्र उपन्यास और कहानी के अंतर से परिचित होंगे।
6. छात्र नाटक और एकांकी के अंतर से परिचित होंगे।
7. छात्र नाटक के भेदों से बताएंगे।

अध्यापन पद्धति :

1. स्वाध्याय।
2. भारतीय काव्यशास्त्र का सैद्धांतिक एवं अनुप्रयोगात्मक अध्ययन।
3. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
4. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।
5. काव्यशास्त्र पर संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
7. अतिथियों के व्याख्यान।

पाठ्यक्रम
चतुर्थ सत्र

इकाई नं	पाठ्यविषय	क्रेडिट
इकाई – I	काव्य के भेद (प्रकार) : पद्य के भेद : प्रबंधकाव्य और मुक्तक काव्य, प्रबंधकाव्य के भेद– महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक काव्य, गीतिकाव्य।	1
इकाई – II	गद्य के भेद : उपन्यास, कहानी, निबंध। (इन विधाओं का केवल तात्विक परिचय) उपन्यास और कहानी में अंतर।	1
इकाई – III	दृश्य काव्य : अ) नाटक की परिभाषा और तत्व (भारतीय दृष्टि से तत्वों का स्थूल परिचय) आ) माध्यम के आधार पर नाटक के भेद : रंगमंचीय नाटक, रेडियो नाटक, दूरदर्शन नाटक। इ) एकांकी : परिभाषा और तत्व, ई) नाटक और एकांकी की तुलना।	1

संदर्भ ग्रंथः

1. काव्यशास्त्रः डॉ भगीरथ मिश्र
2. काव्य के तत्वः आ. देवेंद्रनाथ वर्मा
3. साहित्य विवेचनः क्षेमचंद्र सुमन / योगेंद्र कुमार मल्लिक
4. साहित्यशास्त्र परिचयः डॉ. सुधाकर कलवडे
5. भारतीय काव्यशास्त्रः डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रः डॉ. सुरेश कुमार जैन / प्रा.महावीर कंडारकर
7. भारतीय काव्यशास्त्रः डॉ. जितेंद्रनाथ मिश्र
8. भारतीय काव्यशास्त्रः डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
9. भारतीय काव्यशास्त्रः डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह
10. भारतीय काव्यशास्त्रः सिद्धांतः डॉ. कृष्णदेव झारी
11. भारती काव्यशास्त्र के सिद्धांतः डॉ. सुरेश अग्रवाल
12. समीक्षा शास्त्र के भारतीय मानदंडः डॉ. रामसागर त्रिपाठी
13. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रः डॉ. यतींद्र तिवारी
14. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रः डॉ. देवराजसिंह भाटी
15. काव्य–प्रदीपः पं. रामबहोरी शुक्ल

———————

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजारामचतुरचंदमहाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

द्वितीय वर्षकला SYBA,

विशेष हिंदी .2 मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक ,

सेमिस्टर	पेपरकोडनं.	पेपरकानाम	क्रेडिट
I	HIN233	विशेष हिंदी	०३
II	HIN243	विशेष हिंदी	०३

द्वितीय वर्षकला SYBA,

SEMISTAR III/IV

हिंदी विशेष–२

HINDI SPECIAL – 2

PAPER CODE :UAHN233/UAHN243

हिंदी विशेष– २

(मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : २०२३–२४ से)

उद्देश्य :(Objectivies)

१. हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता निर्माण करना।

२. छात्रों में हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित करना।

३. मध्ययुगीन संत एवं भक्तों के काव्य से छात्रों को परिचित कराना।

४. मध्ययुग के प्रतिनिधि कवियों के योगदान के विविध आयामों से छात्रों को परिचित कराना।

५. साहित्य कृतियों के माध्यम से साहित्य के शिल्प एवं सौंदर्य से परिचित कराना।

अपेक्षित परिणाम : (Outcomes)

१.छात्रों में साहित्यकार सास्वादन करने की क्षमता विकसित करना।

२.पढी सुनी रचनाओंको जानना,समझना और अभिव्यक्त करने की समझ को बढावा देना।

३. साहित्य की विविध विधाओं की समझ विकसित करना तथा उसका आनंद उठाने में छात्रों को बढावा देना।

४. मध्ययुगीन कवियों के साहित्य का परिचय कराना तथा उनके कार्य को समझना।

अध्यापन पद्धति : (Pedagogy)

१. व्याख्यान तथा विश्लेषण।

२. प्रथम सत्र में स्वाध्याय लेखन लेना।

३. द्वितीय सत्र में आलेख लेखन तथा मौखिकी का आयोजन।

४.नाटक का छात्रों द्वारा मंचन।

५. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनोंका प्रयोग।

iii) दीनता और बड़प्पन –

1. जे गरीब पर हित करैं, ते रहीम बड़ लोग।
   कहा सुदामा बापुरो, कृश्ण मिताई जोग।।
2. थोड़ो किए बड़ेन की, बड़ी बड़ाई होय।
   ज्यों रहीम हनुमंत को, गिरिधर कहत न कोय।।
3. दीन सबन को लखत है, दीनहिं लखै न कोय।
   जो रहीम दीनहिं लखैं, दीनबंधु सम होय।।
4. रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिये डारि।
   जहाँ काम आवें सुई, कहा करे तरवारि।।

iv) नीति –

1. खैर, खून खाँसी, खुसी, बैर, प्रीति, मद–पान।
   रहिमन दाबे न दबै, जानत सकल जहान।।
2. रूठें सुजन मनाइए, जो रुठें सौ बार।
   रहिमन फिर फिर पोहिए, टूटे मुक्ताहार।।
3. दानों रहिमन एक से, जौ लौं बेलत नाहिं।
   जान परत हैं काक पिक, ऋतु बसंत के माहिं।
4. बिगरी बात बनै नहीं, लाख करो किन कोय।
   रहिमन फोट दूध को, मथे न माखन होय।।

v) संत महिमा –

1. तरुवर फल नहिं खात हैं, सरवर पियहिं न पान।
   कहि रहीम, पर–काज हित, संपति संचहिं सुजान।।
2. मथत–मथत माखन, दही–मही बिलगाय।
   रहिमन सोई मीत है, भीर परे ठहराय।।
3. रहिमन वे नर मर चुके, जे कहुँ माँगन जाहिं।
   उनते पहले वे मरे, जिन मुख निकसत नाहिं।।
4. दुरदिन परे रहीम कहि, भलू त सब पहचानि।
   सोच नहीं वित–हानि को, जो न होय हित हानि।।

अध्यनार्थ विशय : रहीम का व्यक्तित्व, कृतित्व

- रहीम की भाशा
- रहीम की भक्तिभावना
- रहीम के काव्य की प्रासंगिकता
- भावपक्ष, पिल्पपक्ष का अध्ययन।

iv) नवरस–इत्यादि वर्णन –

1. नहिं पराग नहि मधुर मधु नहि विकास इहिं काल।
   अली कली ही तें बँध्यौ आगे कौन हवाल।।
2. कनक कनक तें सौगुनी मादिकता अधिकाइ।
   उहि खाये बौराइ जग इहिं पाये बौराइ।।
3. जप माला छापे तिलक सरै न एकौ काम।
   मन काचै नाचै बृथा साँचे राम।।
4. तज तीरथ हरि राधिका तन दुति कर अनुराग।
   जिहिं ब्रज केलि निकुंज मग पग पग होत प्रयाग।।
5. जगत जनायौ जिहिं सकल सो हरि जान्यौ नाहिं।
   ज्यों आखनि सब देखियै आँख न देखी जाहिं।।

अध्यनार्थ विशय :

- बिहारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- बिहारी की प्रासंगिकत
- ाबिहारी की अलंकार योजना
- बिहारी की भाशा
- भावपक्ष, षिल्पपक्ष का अध्ययन।

इकाई III –

नाटक : स्वरूप, तत्व।
नाटक कृति : महाभोज – मन्नू भंडारी
लेखक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन।

संदर्भ ग्रंथ :

1. बिहारी सतसई –संपा. लल्लू जी लाल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी काव्य सौरभ – संपा. कन्हैयालाल सहगल, एच. एच. एण्ड कंपनी, नई दिल्ली
3. रंगभाशा – नेमिचंद्र जैन
4. नाटक और रंगमंच – संपा. गिरीष रस्तागे ी
5. महाभोज – मन्नु भंडारी, राधाकृश्ण प्रकाषन, नई दिल्ली
6. नाट्यालोचन – डॉ. माधव सोनटक्के
7. हिंदी नाट्य विमर्ष – संपा. सदानंद भोसले